फसल उत्सव

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने फसल उत्सव **मकर संक्रांति, उत्तरायण, भोगी, माघ बिहू और पोंगल** के शुभअवसर पर देश के लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं।

- ### मुख्य बिंदु:
- मकर संक्रांति सूर्य के **अंतरिक्ष में भ्रमण के दौरान मकर राशि में प्रवेश** का प्रतीक है।
- यह दिन **गर्मियों की शुरुआत और हिंदुओं के लिये छह महीने की शुभ अवधि का प्रतीक है,** जिसे उत्तरायण (सूर्य की उत्तर दिशा की ओर गति) के रूप में जाना जाता है।
    - **'उत्तरायण' के आधिकारिक उत्सव के एक भाग के रूप में, गुजरात सरकार वर्ष 1989 से अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव की मेज़बानी कर रही है।**
- इस दिन से जुड़े उत्सवों को देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है:
    - उत्तर भारतीय हिंदुओं और सिखों द्वारा **लोहड़ी,**
    - मध्य भारत में **सुकारत,**
    - असमिया हिंदुओं द्वारा भोगाली **बिहू** और
    - तमिल तथा अन्य दक्षिण भारतीय हिंदुओं द्वारा **पोंगल।**

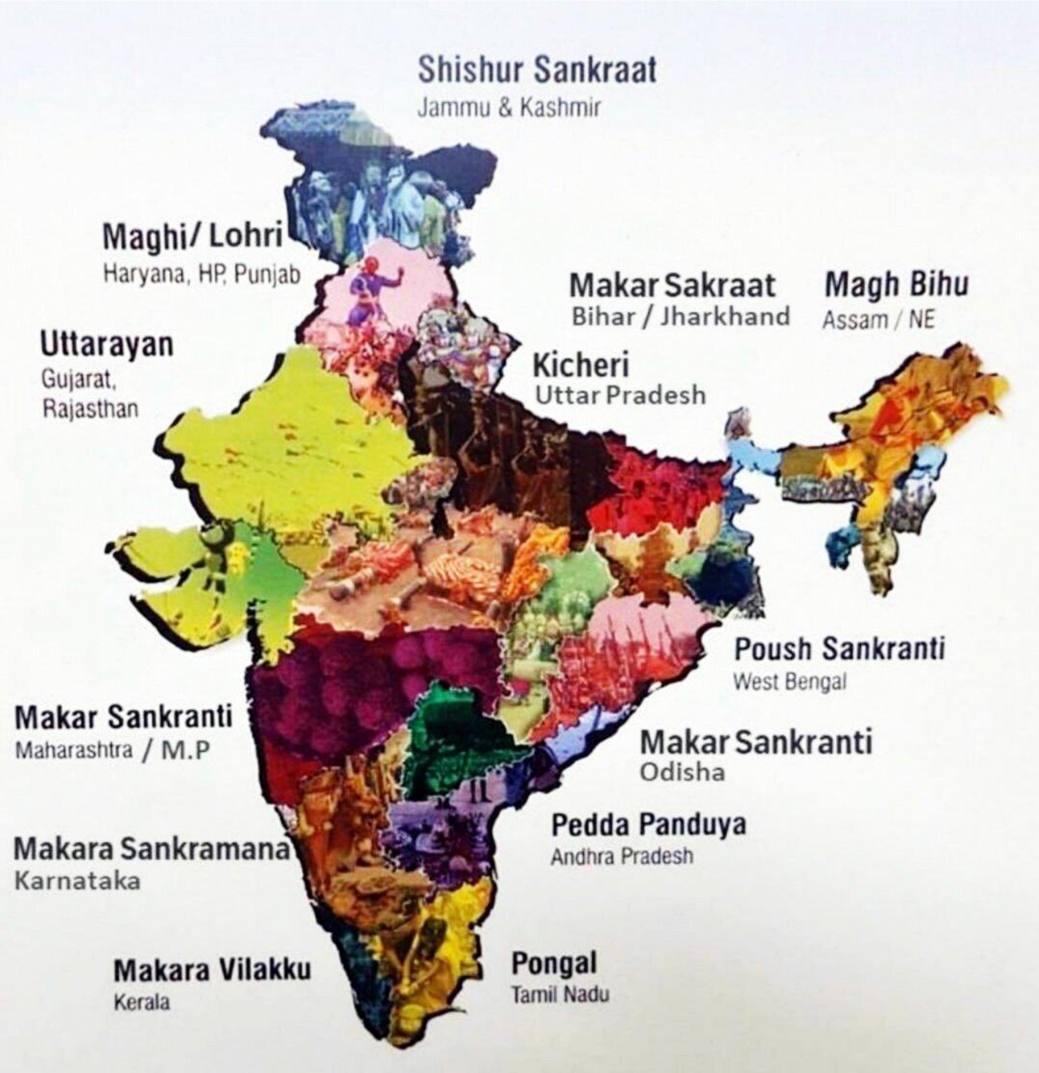

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/harvest-festivals-1